DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. JOHN BRITTAS (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI SANDOSH KUMAR P (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI JEBI MATHER HISHAM (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेन्द्र सिंह नागर) : श्री लहर सिंह सिरोया जी, आप दो मिनट में अपनी बात कहियेगा, क्योंकि श्रीमती सीमा द्विवेदी जी का सब्जेक्ट भी सेम है, तो उनको एसोसिएट करना है।

Need to evolve new tactical tools to combat online drug smuggling especially through dark web

SHRI LAHAR SINGH SIROYA (Karnataka): Sir, this is to request the Union Government to immediately take more strict action against the use of technology apps and the dark web to combat online drug smuggling.

Sir, I wish to draw the Government's attention to the drug racket that is being operated through social media and instant messaging apps. I urge the Government to take immediate and stringent steps to combat the menace of online drug smuggling. Last week, it was reported that the Bengaluru Narcotics Control Bureau arrested 27 people across India, including a foreign national, artists, techies and students from two Bengaluru colleges for smuggling and selling contraband drugs. Those arrested were said to be part of a larger drug racket that operated through social media and instant messaging apps.

In 2021-22 alone the enforcement agency made a record seizure of contraband, including drugs, valued at Rs. 20,000 crore. Recently the hon. Supreme Court too observed that drugs are a problem that adversely affects the health of the people, especially the youth. The 'Smuggling in India Report 2021-22', which was recently released by the hon. Finance Minister, states that new tactical tools for drug law enforcement are necessitated by the use of the dark web, crypto currency and social media platforms to solicit customers and sell drugs.

Considering these new and technology-based methods to smuggle drugs, there is an urgent need to continuously evolve to develop new tactical tools to check the sale of drugs online, especially through the dark web, and ensure timely and effective action against the drug menace to combat online drug smuggling.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI DHANANJAY BHIMRAO MAHADIK (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI MAHUA MAJI (Jharkhand): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेन्द्र सिंह नागर) : श्रीमती सीमा द्विवेदी। आपको इसमें एसोसिएट करना है।

श्रीमती सीमा द्विवेदी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, भारत युवाओं का देश है। भारत में तरक्की का रास्ता युवाओं की सोच से गुजरता है। नशा व्यक्ति ही नहीं, परिवार ही नहीं, बल्कि समाज को भी कमजोर करने वाला एक ज़हरीला जहर है। कम उम्र के बच्चे, जिनकी उम्र 12 वर्ष से 15 वर्ष अथवा उससे ऊपर है, वे नशे से उत्पन्न होने वाली हानि, चाहे वह स्वास्थ्य से सम्बन्धित हो, परिवार से सम्बन्धित हो अथवा सामाजिक निन्दा हो, उससे अनभिज्ञ रहते हैं। इसका परिणाम यह

होता है कि कुछ ही अन्तराल के बाद ऐसे व्यक्ति नशे की लत का शिकार होकर आपराधिक गतिविधियाँ भी करने लगते हैं और यहाँ तक कि अपने माता, पिता, भाई, बहन अथवा किसी की भी हत्या कर देते हैं, जिसके तमाम उदाहरण पत्र-पत्रिकाओं एवं न्यूज़ चैनलों के माध्यम से हमें देखने को मिलते हैं।

महोदय, युवाओं के भटकने का सीधा असर समाज के साथ-साथ देश की होने वाली तरक्की पर भी पड़ता है, क्योंकि जब-जब देश का युवा सही रास्तों पर चला है, तब-तब देश में क्रान्तिकारी परिवर्तन आये हैं। आज के परिवेश में नशे को रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा सकते हैं, इस पर हम सबको चिन्ता करना अत्यन्त आवश्यक है। देश में नशे के कारण कम समय में ही जीवन को खतरा बढ़ता है। किसी तरह अपनी जीविका चलाने वाला परिवार अपनी युवा पीढ़ी के नशाखोरी करने वाले बच्चों के कारण समाप्त हो जाता है।

महोदय, मेरा निवेदन है कि सरकार इस विषय पर गम्भीरतापूर्वक विचार करके कुछ आवश्यक नियम बनाए, ताकि व्यक्ति, परिवार एवं समाज का उत्थान हो सके।

Need to re-open border *Haat* at Tripura-Bangladesh border

श्री बिप्लब कुमार देब (त्रिपुरा) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से हमारे राज्य में स्थित बॉर्डर हाट को शुरू करवाने का आग्रह करता हूँ। त्रिपुरा में भारत एवं बंगलादेश की सीमा पर सिपाहीजला जिले के कमलासागर तारापुर और साउथ त्रिपुरा जिले के सबडिवीजन सबरूम के श्रीनगर छगलनया में साप्ताहिक बॉर्डर हाट लगता है, जिसमें दोनों देशों के दुकानदार आकर स्थानीय सामान बेचते और खरीदते हैं। पर्यटकों को भी यह स्थान आकर्षित करता है, मगर कोविड काल में दोनों बॉर्डर हाट बन्द कर दिए गए थे। मैं आपको अवगत कराना चाहता हूँ कि कोविड की स्थिति सामान्य होने के बाद मेघालय राज्य के अन्तर्गत आने वाले बॉर्डर हाट को खोल दिया गया है, किन्तु त्रिपुरा के बॉर्डर हाट को नहीं खोला गया है। इस बाबत त्रिपुरा सरकार के इंडस्ट्री विभाग ने केन्द्र सरकार को मामले में हस्तक्षेप कर बंगलादेश सरकार से बात कर हमारे राज्य के बॉर्डर हाट को शुरू कराने का आग्रह किया है।

महोदय, बॉर्डर हाट का संचालन देखने के लिए बनी ज्वाइंट बॉर्डर हाट कमेटी में दोनों तरफ के जिलों के एडीएम हैं। उनके बीच वार्ता में हमारी ओर से एडीएम ने बॉर्डर हाट शुरू कराने का विषय उठाया है, मगर बंगलादेश प्रशासन की ओर से कोई कारण नहीं बताया जा रहा है कि बॉर्डर हाट क्यों नहीं शुरू कर रहे हैं, जिसकी वजह से कई स्थानीय लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है।

अतः वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय मामले में जल्द एक्शन लेते हुए बंगलादेश से त्रिपुरा बॉर्डर हाट शुरू करवाए और कमलपुर के मोराछरा और धर्मनगर में शुरू होने वाले नये बॉर्डर हाट के कार्य में तेजी लाए।

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.